चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2.2.24	4	1-8

एचएयू का स्थापना दिवस आज • हरियाणा के बासमती की विदेशों में भी धूम, देशभर के निर्यात का 60 प्रतिशत चावल हरियाणा से

एचएयू की इजाद किस्मों ने बनाया प्रदेश को धान व गेहूं का कटोरा, प्रदेश गठन के समय 25.92 लाख टन था उत्पादन, अब सात गुणा बढ़कर पहुंचा 185 लाख टन

यशपाल सिंह | हिसार

आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस है। हरियाणा प्रदेश के गठन के करीब चार साल बाद 2 फरवरी 1970 को विश्वविद्यालय बना था। तब प्रदेश का खाद्यान्न उत्पादन भी काफी कम था। कुल खाद्यान्न उत्पादन 25.92 लाख टन ही था। इस चुनौती से निपटने में एचएयू की अहम भूमिका रही है।

हरित क्रांति में अग्रणी रहे प्रदेश का खाद्यान्न उत्पादन 185 लाख टन तक पहुंच चुका है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। यूनिवर्सिटी ने अब तक अन्न, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 284 किस्में विकसित की हैं। इनमें 146 किस्में राष्ट्रीय स्तर की और 138 राज्य स्तर की हैं। बीते तीन साल में विवि ने 44 किस्में अनुमोदित व चिह्नित की हैं। गेहूं, सरसों, धान, बाजरा आदि की किस्मों की हरियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान, पंजाब, गुजरात समेत उत्तरी भारत के मैदानी एरिया में है। इसके कारण ही हरियाणा का खाद्य उत्पादन बढ़कर सात गुणा पहुंचा है।

2 फरवरी, 1970 को हुई थी स्थापना, 7264 एकड़ एरिया में है कैंपस और फार्म

एचएयू की स्थापना 2 फरवरी 1970 को हुई थी। उस समय यह पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का रीजनल सेंटर था। प्रथम कुलपति एएल फ्लेचर के समय यूनिवर्सिटी के नए भवनों की स्थापना का काम 1975 तक चला। अभी यूनिवर्सिटी का मेन कैंपस 736 एकड़ में फैला है, इसके साथ 6428 एकड़ एरिया में फार्म फैले हैं। 1553 एकड़ एरिया आउटस्टेशन पर है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से 590 एमओयू

एचएयू के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से अब तक 590 एमओयू हो चुके हैं। बीज कंपनियों से हुए एमओयू देश के कोने-कोने तक यूनिवर्सिटी द्वारा इजाद बीजों को पहुंचा देश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी कर रही हैं। हरियाणा में गेहूं की औसत पैदावार 46.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इसके चलते हरियाणा राज्य केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। अभी तक यूनिवर्सिटी ने 20 पेटेंट और 12 कॉपीराइट्स लिए हैं।

एचएयू के जारी प्रोजेक्ट्स

- एग्री टूरिज्म सेंटर, यूनिवर्सिटी कैंपस
- वेजिटेबल ग्राफ्टिंग यूनिट, यूनिवर्सिटी कैंपस
- बायोटेक्नोलॉजी कॉलेज, यूनिवर्सिटी कैंपस
- फिशरीज कॉलेज, यूनिवर्सिटी कैंपस
- एग्री बिजनेस कॉलेज, गुरुग्राम

इन फसलों की किस्में की विकसित

फसल	राष्ट्रीय स्तर	राज्य स्तर	कुल वैरायटी
• गेहूं	16	07	23
• धान	01	40	11
• दालें	17	18	35
• कपास	03	20	23
• तिलहन	15	16	31
• बाजरा	03	05	08
• सब्जियां व बागवानी	16	21	37

विवि ने पिछले तीन साल में 44 किस्में अनुमोदित व चिह्नित कीं

"चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 2 फरवरी 1970 को हुई थी। यूनिवर्सिटी ने अब तक खाद्यान्न, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 284 किस्में विकसित की हैं। यूनिवर्सिटी ने 590 एमओयू किए हैं। यूनिवर्सिटी को दो बार आईसीएआर का बेस्ट इंस्टीट्यूशन का अवॉर्ड मिल चुका है। कई अंतरराष्ट्रीय यूनिवर्सिटी व संस्थाओं का भी एचएयू के साथ सहयोग है।"

– प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2-2-24		

दैनिक भास्कर

एचएयू की उन्नत सरसों की किस्में दूसरे राज्यों में भी मिलेगी, एमओयू साइन

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर राजस्थान, माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए शोध का किसानों तक लाभ पहुंचेगा । मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनियां विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेंगी, जिसके तहत उन्हें बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्मों का बीज मिल सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	2.2.24	8	6-8

हकृवि ने सरसों की उन्नत किस्मों के लिए किया चार कंपनियों के साथ एमओयू

हिसार, 1 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सीड्स (इंडिया) व उत्तम सीड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य। -हप्र

कुलपति ने बताया कि हरियाणा पिछले कई वर्षों से सरसों फसल की उत्पादकता में देश में शीर्ष स्थान पर है। यह मुकाम विश्वविद्यालय में सरसों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास तथा किसानों द्वारा उन्नत तकनीकों को अपनाने के कारण ही संभव हुआ है। अब तक यहां अच्छी उपज क्षमता वाली सरसों की कुल 21 किस्मों को विकसित किया गया है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2.2.24	3	5-7

सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 किस्मों से हरियाणा व अन्य प्रदेशों के किसानों को मिलेगा फायदा

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्राप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सीड्स (इंडिया) व उत्तम सीड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है। जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है। उपरोक्त किस्में सरसों उगाने वाले राज्यों की उत्पादकता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगी। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डा. मंजू मेहता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनियां विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेंगी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर दौरान मौजूद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। • पीआरओ

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। बीकानेर की नेशनल क्राप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पुनिया ने हस्ताक्षर किए। मध्य प्रदेश स्थित निमच की माई किसान एग्रो के साथ सरसों की किस्म आरएच 1706 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की ओर से सीईओ जसवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए। हिसार की दो कंपनियां, जिनमें फेम सीड्स (इंडिया) के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर हिमांशु बंसल ने हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी कंपनी उत्तम सीड्स के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2.2.24	5	1-5

हकृवि की उन्नत सरसों की आरएच-1424 व आरएच-1706 किस्मों से हरियाणा व अन्य प्रदेशों के किसानों को मिलेगा फायदा

हिसार, 1 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फ़ायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कम्पनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त किस्में सरसों के कारण ही संभव हुआ है। अब तक यहां अच्छी उपज क्षमता वाली सरसों की कुल 21 किस्मों को विकसित किया गया है।

सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय ने किया चार कम्पनियों के साथ एमओयू

उगाने वाले राज्यों की उत्पादकता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। कुलपति ने बताया कि हरियाणा पिछले कई वर्षों से सरसों फसल की उत्पादकता के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। यह मुकाम विश्वविद्यालय में सरसों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास तथा किसानों द्वारा उन्नत तकनीकों को अपनाने कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान स्थित बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पूनियां ने हस्ताक्षर किए है। मध्य प्रदेश स्थित निमच की माई किसान एग्रो के साथ सरसों की किस्म आरएच 1706 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की ओर से सीईओ जसवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए है। हिसार की दो कंपनियां, जिनमें फेम सिड्स (इंडिया) के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से हिमांशु बंसल ने हस्ताक्षर किए है। दूसरी कंपनी उत्तम सिड्स के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए है।

बारानी परीक्षणों में नव विकसित किस्म आरएच 1424 में लोकप्रिय किस्म आरएच 725 की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत बीज उपज दर्ज की गई है। यह किस्म 139 दिनों में पक जाती है और इसके बीजों में तेल की मात्रा 40.5 प्रतिशत होती है। सरसों की दूसरी किस्म आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम इरूसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जिसका उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को लाभ होगा। यह किस्म पकने में 140 दिन का समय लेती है और इसकी औसत बीज उपज 27 क्विंटल हेक्टेयर है। इसके बीजों में 38 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनियां विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेंगी, जिसके तहत उन्हें बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्मों का बीज मिल सकेगा। सरसों की किस्में तैयार कर कंपनियां किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2.2.24	4	6-8

सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए हकृवि ने किया चार कंपनियों के साथ एम.ओ.यू.

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

हिसार, 1 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने कंपनियों के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा, तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है।

अब तक यहां अच्छी उपज क्षमता वाली सरसों की कुल 21 किस्मों को विकसित किया गया है। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एस.वी.सी. कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.2.24	2	5-6

उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए चार कंपनियों से किया समझौता

एचएयू में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। स्रोत : आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने नेशनल क्रॉप साइंस बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो नीमच (मध्यप्रदेश), फेम सीड्स (इंडिया) व उत्तम सीड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि समझौतों से यहां विकसित सरसों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकेगा। एचएयू में विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय ,आरएच 1706 के लिए यह एमओयू किया गया है। हरियाणा पिछले कई वर्षों से सरसों फसल की उत्पादकता के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

राजस्थान स्थित बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पूनियां ने हस्ताक्षर किए है। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, डॉ. विनोद सांगवान रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	01.02.2024	--	--

सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय ने किया चार कंपनियों के साथ एमओयू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध

किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें।

प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर राजेश पूनियां ने हस्ताक्षर किए है। मध्य प्रदेश स्थित निमच की माई किसान एग्रो के साथ सरसों की किस्म आरएच 1706 के लिए

इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें : कुलपति

सीईओ जसवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए है। हिसार की दो कंपनियां, जिनमें फेम सिड्स (इंडिया) के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर हिमांशु बंसल ने हस्ताक्षर किए है। उत्तम सिड्स के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	01.02.2024	--	--

सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय ने किया चार कंपनियों के साथ एमओयू

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा

विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त किस्में सरसों उगाने वाले राज्यों की उत्पादकता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। कुलपति ने बताया कि हरियाणा पिछले कई वर्षों से सरसों फसल की उत्पादकता के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। यह मुकाम विश्वविद्यालय में सरसों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास तथा किसानों द्वारा उन्नत तकनीकों को अपनाने के कारण ही संभव हुआ है। अब तक यहां अच्छी उपज क्षमता वाली सरसों की कुल 21 किस्मों को विकसित किया गया है।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान स्थित बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पुनिया ने हस्ताक्षर किए है। दूसरी कंपनी उत्तम सिड्स के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए है। विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनियां विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेंगी, जिसके तहत उन्हें बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्मों का बीज मिल सकेगा। सरसों की किस्में तैयार कर कंपनियां किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	01.02.2024	--	--

हकृवि के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय से जुड़े पदमश्री पाने वाले पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

पुस्तक प्रदर्शनी, नई प्रयोगशाला व नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का किया जाएगा उद्घाटन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को हकृवि के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर.सी सिहाग, डॉ. हरिओम व पूर्व कुलपति डॉ. जे.बी. चौधरी और गन्ना प्रजनक डॉ. बक्शी राम यादव भी शामिल है। इसके अलावा हरियाणा कला परिषद के निदेशक महावीर सिंह गुड्डू, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, तीन

प्रगतिशील किसान जिनमें करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भटाना, सोनीपत स्थित अटरौना निवासी कनवल सिंह चौहान व पानीपत निवासी नरेंद्र डिडवारी शामिल है और हकृवि के एल्युमिनाई विशिष्ट सेना मेडल से सम्मानित मेजर जनरल प्रमोद बतरा भी सम्मानित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कृषि, कला व समाज सहित अन्य क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर चयनित विजेताओं को पदमश्री अवार्ड से सुशोभित किया गया था। सम्मान सम्मारोह का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

कुलसचिव ने बताया कि इसी कड़ी में 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई खात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी खरीद सकेंगे पुस्तकें

परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में 2 व 3 फरवरी को पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, अग्रि-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 15 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। विश्वविद्यालय की फैकल्टी द्वारा चयनित की गई पुस्तकों का अधिग्रहण नेहरू पुस्तकालय में पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	01.02.2024	--	--

सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय ने किया चार कंपनियों के साथ एमओयू

हकृवि की उन्नत सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 किस्मों से हरियाणा व अन्य प्रदेशों के किसानों को मिलेगा फायदा

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त किस्में सरसों उगाने वाले राज्यों की उत्पादकता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगी। कुलपति ने बताया कि हरियाणा पिछले कई वर्षों से सरसों फसल की उत्पादकता के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। यह मुकाम विश्वविद्यालय में सरसों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास तथा किसानों द्वारा उन्नत तकनीकों को अपनाने के कारण ही संभव हुआ है अब तक यहां अच्छी उपज क्षमता वाली सरसों की कुल 21 किस्मों को विकसित किया गया है।

एक साथ चार कंपनियोंके साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान स्थित बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पूनियां ने हस्ताक्षर किए हैं। मध्य प्रदेश स्थित निमच की माई किसान एग्रो के साथ सरसों की किस्म आरएच 1706 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की ओर से सीईओ जसवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए है। हिसार की दो कंपनियां, जिनमें फेम सिड्स (इंडिया) के साथ सरसों की किस्में आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से हिमांशु कंसल ने हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी कंपनी उत्तम सिड्स के साथ सरसों की किस्में आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए हैं।

यह है सरसों की किस्मों की विशेषताएं

बारानी परिस्थितियों में विकसित किस्म आरएच 1424 में लोकप्रिय किस्म आरएच 725 की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत बीज उपज दर्ज की गई है। यह किस्म 139 दिनों में पक जाती है और इसके बीजों में तेल की मात्रा 40.5 प्रतिशत होती है। सरसों की दूसरी किस्म आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम इरूसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जिससे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को लाभ होगा। यह किस्म पकने में 140 दिन का समय लेती है और इसकी औसत बीज उपज 27 क्विंटल हेक्टेयर है। इसके बीजों में 38 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	2.2.24	14	2-6

एचएयू ने सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए किया चार कंपनियों से एमओयू

- एचएयू की उन्नत सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 किस्मों से हरियाणा व अन्य प्रदेशों के किसानों को मिलेगा फायदा : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है, इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है।

हिसार। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, ओरसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान भी उपस्थित रहे।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान स्थित बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पूनिया ने हस्ताक्षर किए हैं। मध्यप्रदेश स्थित निमच की माई किसान एग्रो के साथ सरसों की किस्म आरएच 1706 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की ओर से सीईओ जसवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए हैं। हिसार की दो कंपनियां, जिनमें फेम सिड्स (इंडिया) के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से हिमांशु बंसल ने हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी कंपनी उत्तम सिड्स के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए हैं।

यह है सरसों की किस्मों की विशेषताएं

बारानी परीक्षणों में नव विकसित किस्म आरएच 1424 में लोकप्रिय किस्म आरएच 725 की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत बीज उपज दर्ज की गई है। यह किस्म 139 दिनों में पक जाती है और इसके बीजों में तेल की मात्रा 40.5 प्रतिशत होती है। सरसों की दूसरी किस्म आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम इरूसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जिसका उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को लाभ होगा। यह किस्म पकने में 140 दिन का समय लेती है और इसकी औसत बीज उपज 27 क्विंटल हेक्टेयर है। इसके बीजों में 38 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है।